chapter - 4

Meri Norway Yatra

Answer key

शब्दार्थ लिखिए-

विमान= हवाई जहाज़

पैबंद = टुकड़े

प्रवासी = परदेस में जाकर बसने वाले

भ्रम = संदेह, शक

चहलकदमी = टहलना

प्रश्न /उत्तर

उत्तर 1. अर्से बाद लेखक को घर जैसा भोजन मिला था। जिसमें दाल, चावल, रोटी, अचार और पापड़ था। और अपने मित्र के साथ हिंदी में बात करके लेखक को बड़ा अच्छा लग रहा था। इसलिए लेखक को कुछ क्षणों के लिए भारत में होने का भ्रम पैदा हो गया था।

उत्तर 2. नॉर्वे में दिन और रात का अंतर पता नहीं चलता है क्योंकि रात के दस बजे भी चारों और धूप चमकती है।हां पर रात होते ही सड़कों पर चहल-पहल नहीं होती है इसी सन्नाटे से पता लगता है कि यहां दिन नहीं रात है। लोग अपने अपने घरों में सो रहे हैं। रेस्तरां बंद हो जाते हैं, पार्कों में चहल-पहल कम हो जाती है।

उत्तर 3. नार्वे की राजधानी का नाम - ओस्लो है।

उत्तर 4. लेखक के मित्र की कार जापानी और वातानुकूलित थी।

उत्तर 5. लेखक को ओस्लों के मकान सुरुचिपूर्ण लगे क्योंकि यहां के सभी मकान बहुत खूबसूरत हैं।हर घर के आस-पास बगीचा बनाने की सुंदर परंपरा है।यहां हरी-हरी मुलायम दूब! रंग -बिरंगे फूल! कहीं चेरी ,आड़ू तो कहीं सेव के वृक्ष! सब्जियों में पालक ,गोबी व सलाद के चौड़े चौड़े पत्ते! सब कुछ मन को भाने वाला था।

नीचे दिए गए अवतरण के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए-

उत्तर 1.लेखक के बचपन का प्रिय विषय भूगोल था। लेखक को स्कैंडिनेविया का नक्शा सबसे अधिक कलात्मक लगता था।

उत्तर 2. लेखक ने नॉर्वे के विषय में सुन रखा था कि उत्तरी ध्रुव के पास एक ऐसा देश है, जहां छह महीने का दिन होता है और छह महीने की रात। आधी रात को भी वहां सूरज चमकता है। चारों और बर्फ ही बर्फ होती है। यहां पर हजारों की संख्या में रेंडियर और भालू पाए जाते हैं।

उत्तर 3. बर्फ पर बिना पहिए की स्लेज गाड़ियां चलती हैं, जिन्हें कुत्ते खींचते हैं।

उत्तर 4. शब्दार्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

मानचित्र= नक्शा

मैं भारत का नक्शा बिना मानचित्र देखे बना लेता हूं।

कलात्मक= कलापूर्ण

मुझे अजंता एलोरा की गुफाएं बहुत कलात्मक लगती हैं।